तर्ज- तुम जो मिले जाने जां
तुम जो मिले मेहरबां,दिल तो तुम्हारा हो गया
जीव को भी आशा यहीं थी,तेरे जलवों में खो गया
इस मेहरबानी का शुक्रीया-2
निसवत को अपनाया,दिल लिया सुख दिया

1- कहना तो है हमको,पर सुनसी सारा जहां
खिलवत के सुख सारे,ले आये मेहरबां
वाणी का सिलसिला,खातिर तो हमारे ही किया

2- खेल की रट जो लगी थी,ले आये हमको यहां
इश्के बुजरकी आपकी,रह पाये तुम न वहां
इश्क का यहीं कायदा,करते हो वफा तुम सदा

3- अंगना को अंग दीजे,और लीजे अंगना के अंग
पास बुलाओ प्रीतम,देओ नेहेचल का वोह रंग
हम तुम एक हैं पिया,क्यूं कर हम रहें फिर जुदा

4- इश्क सुराही का है,ये प्याला मदमाता
नया पुराना न हो,नित नौतन रंग लाता
इश्के सुराही आब,लेवें हम यहाँ मिने ख्वाब

Nijanand App